(जनवरी–जून 2021 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, चतुर्थ सेमेस्टर

MHL-C411

रीतिकालीन काव्य

पूर्णांक 100 | लिखित परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट 6 | सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम : (इकाई–1, 2 से व्याख्या)

इकाई–1 रीतिकाव्य धारा – सम्पा० रामचन्द्र तिवारी, डॉ० रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी
केशवदास, बिहारी (सम्पूर्ण)

इकाई–2 रीति काव्यधारा– भूषण, घनानन्द (सम्पूर्ण)

इकाई–3 केशव का आचार्यत्व, केशव की काव्य–कला, केशव की संवाद योजना, रामचन्द्रिका का काव्य–सौष्ठव।
बिहारी की बहुज्ञता, बिहारी की सौन्दर्य भावना, बिहारी की काव्य कला, बिहारी के नीति एवं भक्तिपरक दोहों का वैशिष्ट्य।

इकाई–4 भूषण की राष्ट्रीय चेतना, भूषण : वीर रस के श्रेष्ठ कवि, भूषण के काव्य की अन्तर्वस्तु, भूषण की काव्य कला।
घनानन्द की प्रेम व्यंजना, घनानन्द की विरहानुभूति, घनानन्द की काव्य दृष्टि, स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानन्द।

इकाई–5 **द्रुत पाठ** – द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि – देव, पदमाकर, सेनापति, द्विजदेव।
(इनके काव्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरी प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।)

संदर्भ ग्रन्थ :–

1. केशव और उनका साहित्य – डॉ० विजय पाल सिंह
2. आचार्य केशवदास – डॉ० हीरालाल दीक्षित
3. बिहारी का नया मूल्यांकन – डॉ० बच्चन सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. भूषण और उनका साहित्य – डॉ० राजमल बोरा
6. भूषण विमर्श – आचार्य भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा – डॉ० मनोहर लाल गौड़
8. घनानन्द : काव्य और आलोचना – डॉ० किशोरी लाल
9. पदमाकर की काव्य साधना : अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
10. देव और उनकी कविता – डॉ० नगेन्द्र